कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 7

क्षेत्रीय आकांक्षाएँ

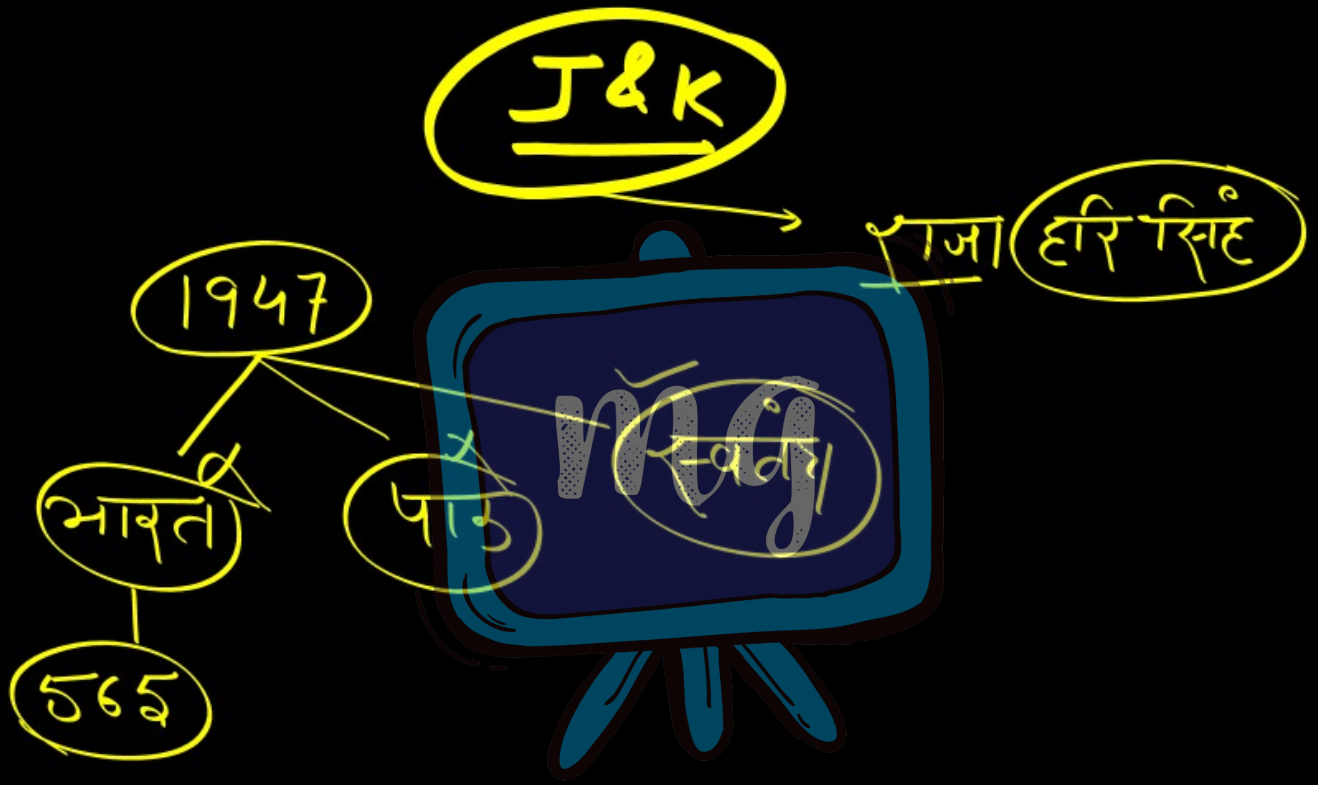
भाग - 3

Satyaveer Yadav

ipca
A dose of life

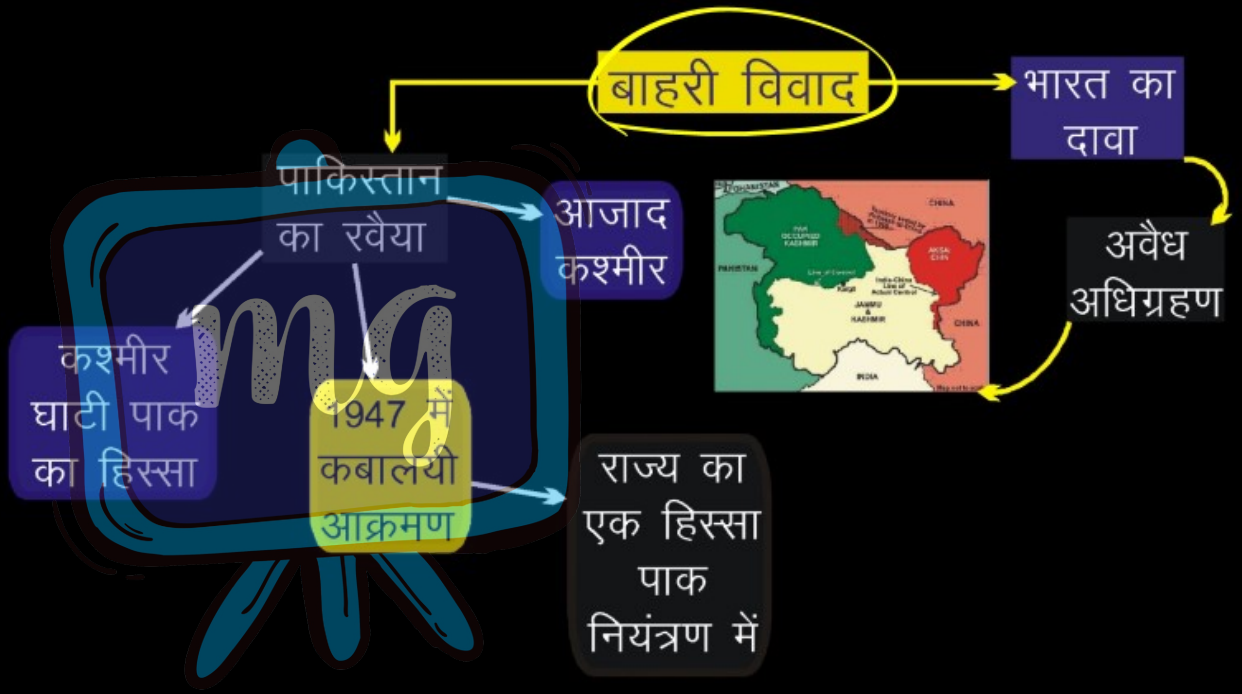
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

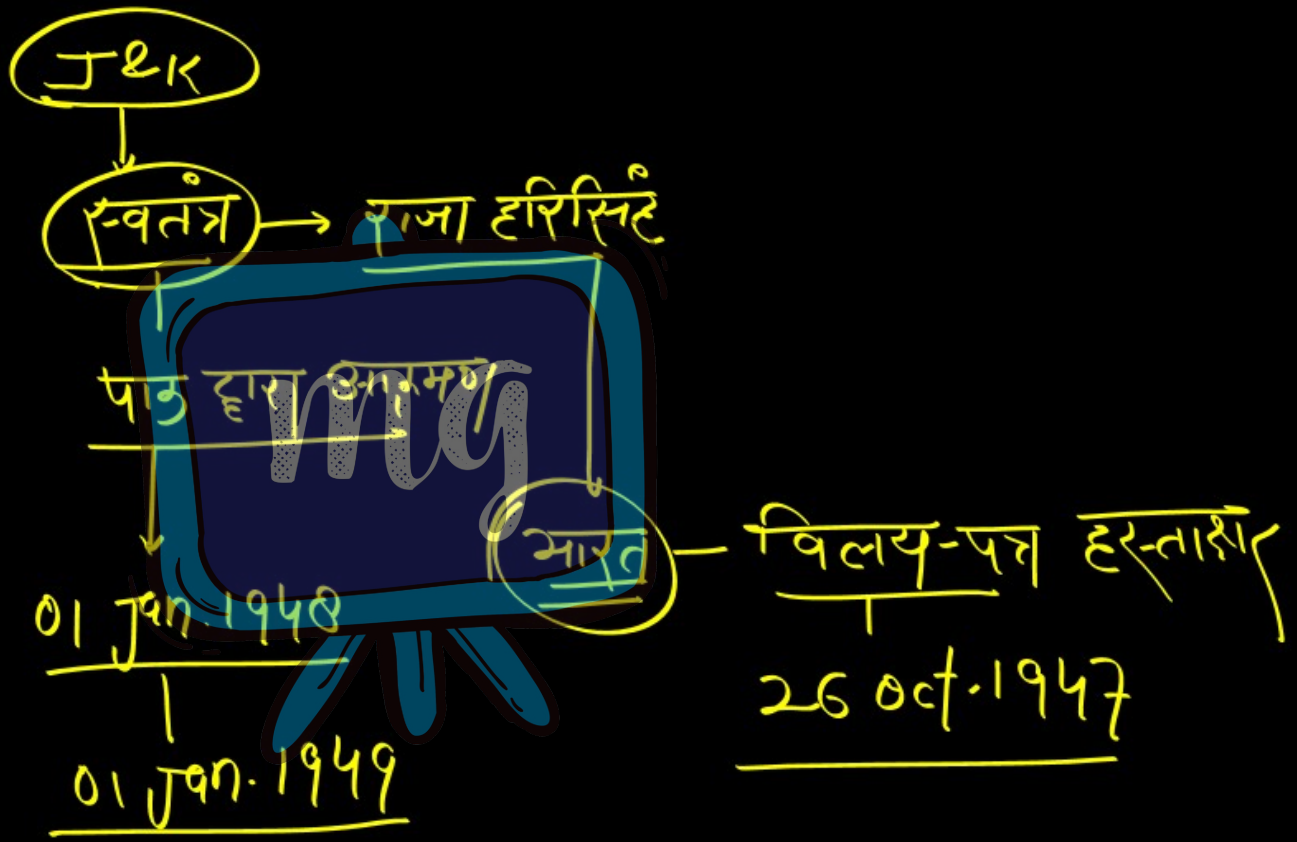
- अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान ने कबायली घुसपैठियों को अपनी तरफ से कश्मीर पर कब्जा करने भेजा।
- कश्मीर के महाराजा ने भारत से मदद मांगी।
- भारत ने सैन्य मदद उपलब्ध करवाई और कश्मीर घाटी से घुसपैठियों को खदेड़ा।
- महाराजा ने भारत संघ में विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किये।
- सहमति :- स्थिति सामान्य होने पर जम्मू-कश्मीर की नियति का फैसला जनमत सर्वेक्षण के द्वारा।
- मार्च 1948 में शेख अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री बने।
- भारत कश्मीर की स्वायत्ता को बनाए रखने पर सहमत
- संविधान में धारा 370 का प्रावधान।


J&K
राजा हरि सिंह
1947
भारत
पाक
565
स्वतंत्र

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



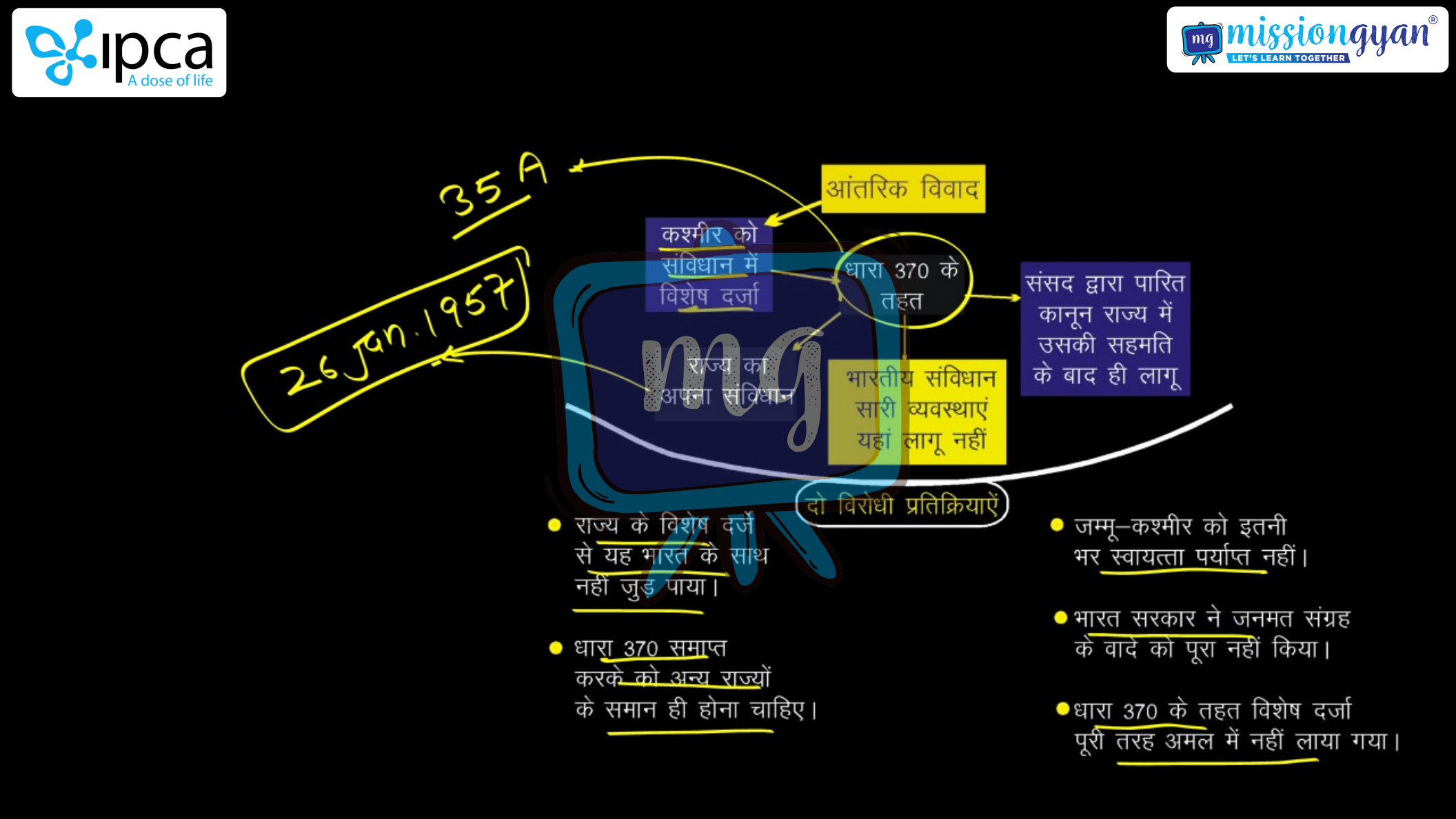

J&K
स्वतंत्र
राजा हरिसिंह
पाक द्वारा आक्रमण
01 Jan 1948
01 Jan 1949
भारत
विलय-पत्र हस्ताक्षर
26 Oct 1947

J&K → अनु. 370 → विशेष राज्य

अनु. 306(A)

→ भाग-21 [अनु. 361-391]

अस्थायी, संक्रमणकालीन, विशेष उपबंध


35 A
26 Jan. 1957
आंतरिक विवाद
कश्मीर को संविधान में विशेष दर्जा
धारा 370 के तहत
संसद द्वारा पारित कानून राज्य में उसकी सहमति के बाद ही लागू
राज्य का अपना संविधान
भारतीय संविधान सारी व्यवस्थाएं यहां लागू नहीं
दो विरोधी प्रतिक्रियाऐं
राज्य के विशेष दर्जे से यह भारत के साथ नहीं जुड़ पाया।
धारा 370 समाप्त करके को अन्य राज्यों के समान ही होना चाहिए।
जम्मू–कश्मीर को इतनी भर स्वायत्ता पर्याप्त नहीं।
भारत सरकार ने जनमत संग्रह के वादे को पूरा नहीं किया।
धारा 370 के तहत विशेष दर्जा पूरी तरह अमल में नहीं लाया गया।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजनीति 1948 के बाद

1948
|
1953-

- प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद शेख अब्दुल्ला ने भूमि-सुधार की बड़ी मुहिम चलायी। उन्होंने इसके साथ साथ जन कल्याण की कुछ नीतियाँ भी लागू की।
- कश्मीर की हैसियत को लेकर शेख अब्दुल्ला के विचार केन्द्र से अलग - दोनों के बीच मतभेद।
- 1953 में शेख अब्दुल्ला बर्खास्त, नजरबंद।
- शेख अब्दुल्ला के बाद के नेता लोकप्रिय नहीं।
- कांग्रेस के समर्थन के दम पर ही वे राज्य में शासन चला सके।
- राज्यों में हुए विभिन्न चुनावों में धांधली और गड़बड़ी में गंभीर आरोप।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1948
|
1953

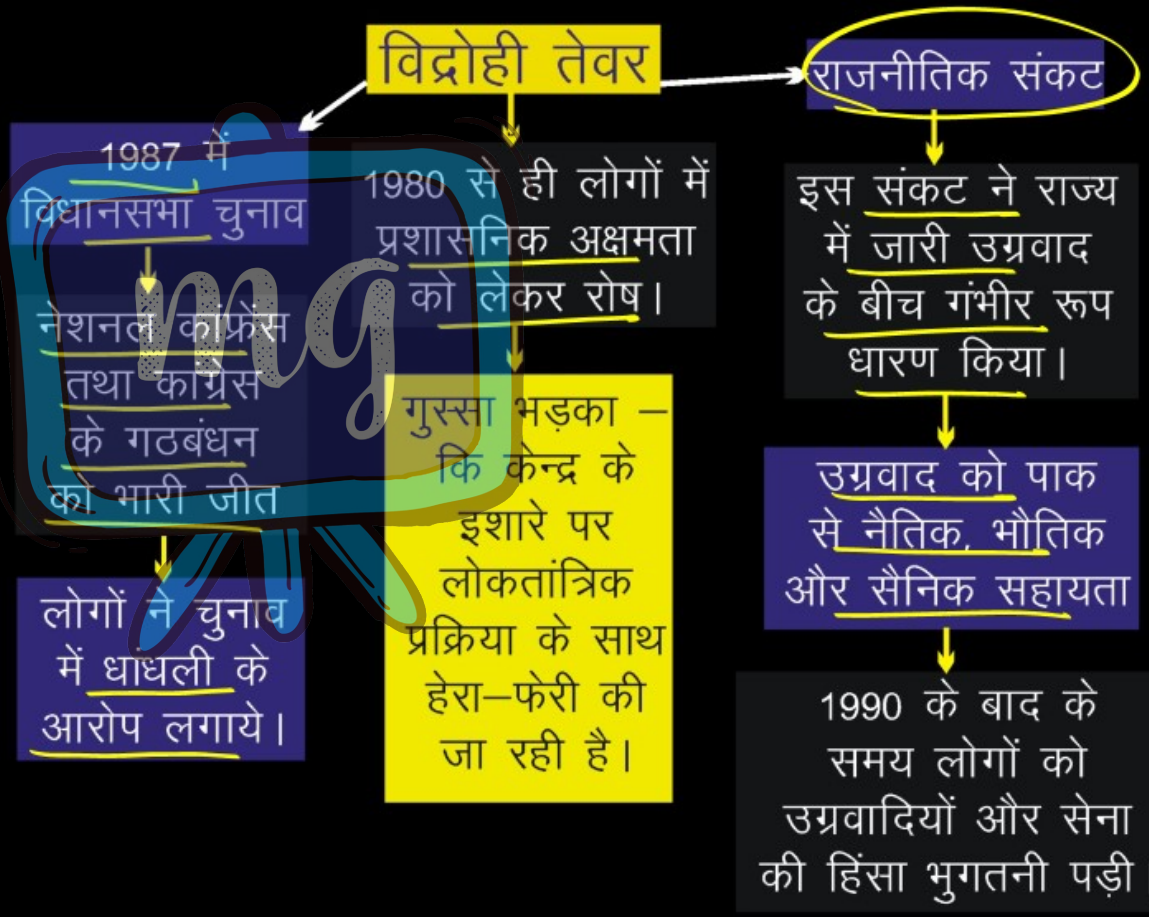
NC+INC

1953 से 1974 तक राज्य की राजनीति पर कांग्रेस का असर

- नेशनल कांफ्रेंस कांग्रेस में मिल गई
  - राज्य की सत्ता सीधे कांग्रेस के नियंत्रण में
- 1974 में इंदिरा गांधी व शेख अब्दुल्ला के बीच समझौता
  - शेख अब्दुल्ला बने मुख्यमंत्री
  - नेशनल कांफ्रेंस को फिर से खड़ा किया।
  - 1977 के विधानसभा चुनाव में बहुमत
  - 1982 में शेख अब्दुल्ला की मृत्यु
  - पुत्र फारूख अब्दुल्ला ने संभाली कमान।
- मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला को राज्यपाल ने बर्खास्त किया।
  - कश्मीर में नाराजगी के भाव
  - 1986 में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस पार्टी में चुनावी गठबंधन
  - लोगों को लगा – केन्द्र राज्य की राजनीति में हस्तक्षेप कर रहा है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विद्रोही तेवरों के बाद

1987 में विधानसभा चुनाव

फारूख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांफ्रेंस की सरकार

जम्मू–कश्मीर के लिए क्षेत्रीय स्वायत्ता की मांग





2002 के विधानसभा चुनाव

निष्पक्ष चुनाव

नेशनल कांफ्रेंस को बहुमत नहीं

पीपुल्स डेमोक्रेटिक अलायंस (PDA) और कांग्रेस की गठबंधन सरकार सत्ता में।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अलगाव और उसके बाद

1989 से जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी राजनीति ने सर उठाया।

तीन धाराएं

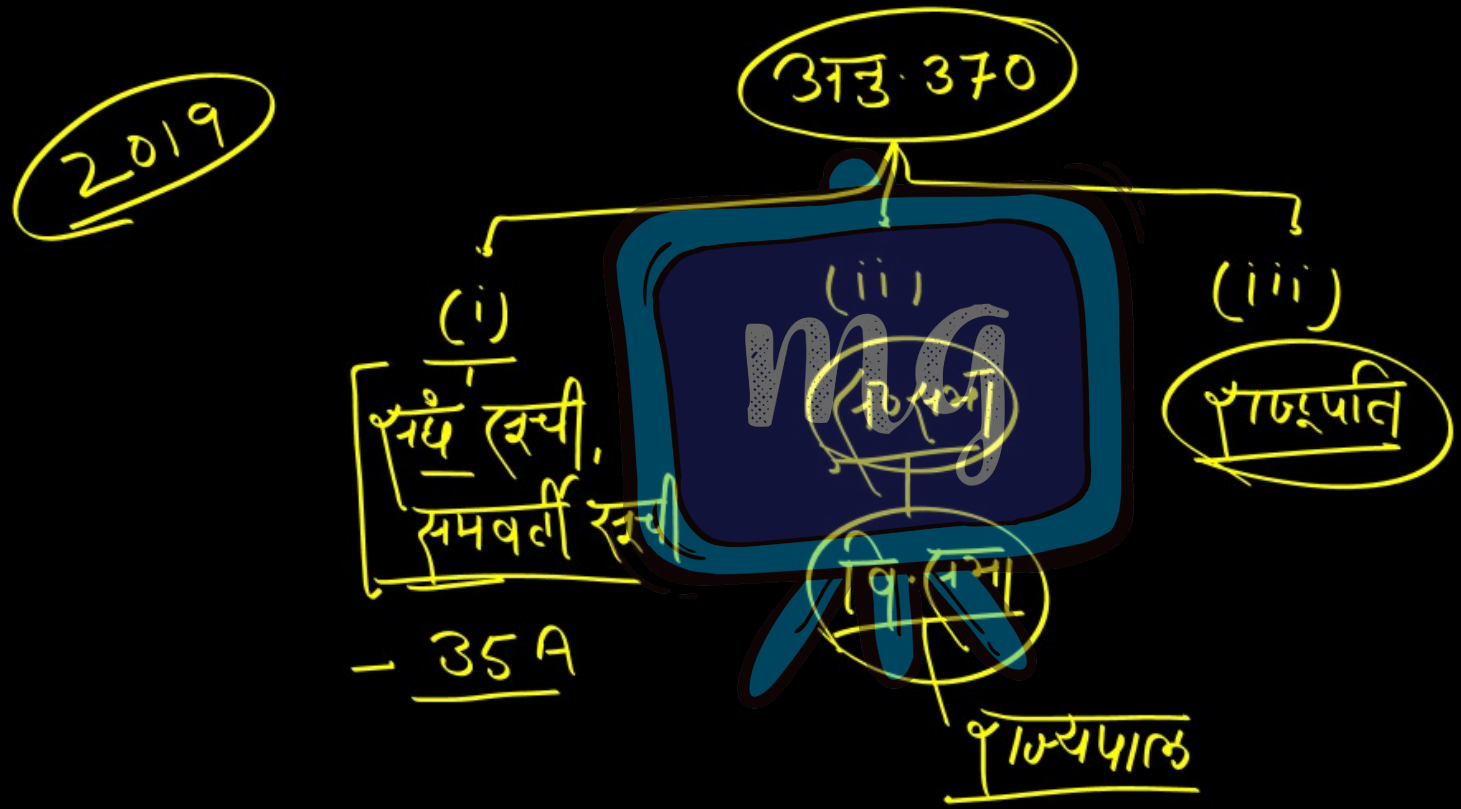
- कश्मीर को एक अलग राष्ट्र बनाया जाय।
- कश्मीर का विलय पाकिस्तान में हो।
- कश्मीर भारत संघ का हिस्सा रहे लेकिन उसे और स्वायत्ता दी जाये।

- स्वायत्ता की बात जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को अलग-अलग ढंग से लुभाती है।
- इस क्षेत्र के लोगों की आम शिकायत उपेक्षा भरे बरताव और पिछड़ेपन को लेकर।
- इस जगह से पूरे राज्य की स्वायत्ता की मांग जितनी प्रबल है उतनी ही प्रबल मांग इस राज्य के विभिन्न भागों में अपनी स्वायत्ता को लेकर है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- शुरूआती सालों से उग्रवाद को लागों को कुछ समर्थन हासिल था लेकिन अब यहां के लोग शांति की कामना कर रहे हैं।
- अलग राष्ट्र की मांग की जगह अब अलगाववादी समूह अपनी बातचीत में भारत संघ के साथ कश्मीर के रिश्ते को पुर्नपरिभाषित करने पर जोर दे रहे हैं।


2019
अनु. 370
(i)
पूर्व स्वीकृति,
समवर्ती स्वीकृति
– 35A
(ii)
परामर्श
विधानसभा
राज्यपाल
(iii)
राष्ट्रपति

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 5 अगस्त 2019 को केन्द्र सरकार ने संविधान से धारा 370 हटा दी और राज्य का विभाजन दो केन्द्र शासित क्षेत्रों जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख के रूप में कर दिया।